परिशिष्ट-५ धरती, बीज और मनुष्य

१. परंपरागत खेती : श्रम-विभाजन

कार्य	श्रमिक	साधन
भराई कुएँ के 'पारछे' पर खड़ा होकर 'पुर' लेना तथा पानी ढालना। बैलों को हाँकना।	परछिया कीलिया	पैर ढेकली रहट
कीली लगाना	पैरिहा	
पानी लगाना	पल्लगा	फावड़ा
जुताई जोतना	हरहरौ या जुतैया	हल
खेत को चौरस करने के लिए तख्ता फिराना। क्यारी बनाने के लिए माँजा से मेंड़ बनाना।	माँजिया खैंचा	माँजा
बुवाई		पोला बाँस (नजारा)
नराई	नरावा	खुरपी
रखाई	रखानेवाला (मेहरा या मचान पर)	औझपौ
कटाई फसल काटना	लावा (वैशाख) कपटा (कातिक)	हँसिया
खेत में पड़ी रह गयीं बालें बीननेवाली स्त्रियाँ	सिलहारी	
दाँय चलाना, बरसाना आदि।	पागड़िया	डलिया साँकी

२. खेती : स्त्रियों के कार्य

© इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र पहला संस्करणः १९९७

All rights reserved. No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

कलेऊ ले जाना	मक्के की भुटिया सौटना
लौटते समय	लकड़ी बीनकर बोझा लाना
'न्यार' की 'गठरी' लाना	सरसों फटकना
बीज बोना	चने की फुलक चौंटना
बन (कपास बीनना)	कुटी काटना
'कॉक' नुकाना, सिल बीनना	पीसना, कूटना, छानना, बीनना

३. वनस्पतियाँ और बिरादरी

वनस्पति	**उत्पाद उत्पादन प्रक्रिया**	**बिरादरी**
कपास	रुई धुनना सूत कातना कपड़े बुनना कपड़े धोना कपड़े सीना कपड़े रँगना कपड़े छापना	कढ़ेर/धुना कत्ती कोरी/जुलाहा धोबी दरजी रँगरेज छीपी
तिल	तेल	तेली
सरसों लाहा दुआँ सूरजमुखी बिनौली अंडी	निकालना	
पान	पाना माला, सेहरा, गुलदस्ता, फुलगहने	पनवाड़ी, तमोली माली
गुलाब, चमेली, चंदन, खस, रातरानी	गुलाबजल इत्र-फुलेले	गंधी/अत्तार
मजीठ, हल्दी, केसर, टेसू, मेहँदी	रंग	रँगरेज
पीपल, पाकर बेर, शीशम घास लकड़ी हरिमाया से उपजने वाली घासें गाँडर, सन, भामर, पटेर, काँस, सरकंडा	लाख घास छीलना लकड़ी काटना खस की टटिया, रस्सी छींका जेबरी चिक, मूढ़ा आसन	लखेरा श्रमिक घसकोदा श्रमिक लकड़हारा कंजर तथा नट

© इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र पहला संस्करणः १९९७

All rights reserved. No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

मूँज, कुश दाब, नरई खजूर	सींक बुहारी पंखा बोइया	
ढाक बरगद	पत्तल	बारी
कमल के पत्ते	दोना	
नीम की सींक		
आम, सीसम नीम आदि की लकड़ी अनाज	जीवनोपयोगी विभिन्न उपकरण खील, मुरमुरा, खिल्ला, खील, चिखा, पखल आदि पकवान	बढ़ई भड़भूजा हलवाई
ईख	खँडसारी उद्योग	
तम्बाखू	बीड़ी	(उद्योग)

४. आयुर्वेद के अनुसार वनस्पतियों की प्रकृति

अदरक	अग्नि प्रदीपक, बात-कफनाशक
अनार	पित्तकारी, वात-कफनाशक
असगंध	वायु,कफ, सूजन को नष्ट करनेवाली
आक	दस्तावर, वातनाशक
आलू	कफ, वायु-कारी
ककड़ी (कच्ची)	पित्तनाशक
कटेरी फल	अग्नि प्रदीपक
करेला	ज्वर, पित्त, कफ तथा कृमिनाशक
गाजर	अग्नि दीप्त करनेवाली
गिलोय	त्रिदोषनाशक
गूलर	पित्त, कफ, रक्त विकारनाशक
गोखरू	वीर्यवर्द्धक
चौलाई	अग्नि प्रदीपक, पित्त कफ तथा रक्त विकारनाशक
तिल	पित, कफ नष्ट करनेवाल
तुलसी	खाँसी, ज्वर, वात, कफनाशक। पित्तकारी वातकारक,
तोरई	पित्तनाशक
धतूरा	विषनाशक
पालक	वातकारी, कफकारी, दस्तावर
फरफेंदुआ	विषनाशक
बथुआ	अग्नि प्रदीपक, पाचक दस्तावर स्मरणशक्तिदायक,
ब्राह्मी मूली के पत्तों का शाक	शीतल
लिसोड़ा	गरम, त्रिदोषनाशक

© इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र पहला संस्करणः १९९७

All rights reserved. No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.

हरड़	पित्त, कफ तथा रक्त विकारनाशक परम हितकारी (यस्य माता गृहे नास्ति तस्य माता हरीतिका।)

© इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र पहला संस्करणः १९९७

All rights reserved. No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, electronic or mechanical, including photocopy, recording or by any information storage and retrieval system, without prior permission in writing.